रजिस्ट्री सं॰ डी॰ एल॰-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 156] नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्तूबर 13, 2006/आश्विन 21, 1928
No. 156] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 13, 2006/ASVINA 21, 1928

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 2006

सं. 18-1/2003 (सिद्ध).—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 की उप-धारा (1) के खंडों (झ), (ज) और (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद, केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, (भारतीय चिकित्सा शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियमावली, 1986 में संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित और विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) यह विनियम भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा शिक्षा के न्यूनतम मानक) संशोधन विनियम, 2006 कहा जाएगा।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

2. भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम, 1986 में अनुसूची II के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:

"अनुसूची II"

1. सिद्ध शिक्षा का लक्ष्य और उद्देश्य: (विनियम 6 देखें)

सिद्ध शिक्षा का उद्देश्य सिद्ध के बुनियादी सिद्धांतों के अनुसार वैज्ञानिक ज्ञान व व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण से संयुक्त गहरी मौलिकता से संपन्न उद्भट विद्वता के स्नातकों को तैयार करना होना चाहिए जो सिद्ध पद्धति के समर्थ और दक्ष शिक्षक, अनुसंधानकर्ता छात्र, चिकित्सक और शल्य चिकित्सक हो सकेंगे। इससे वे देश की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं में सहायता करने के लिए पूर्णतः सक्षम होंगे।

2. पाठ्यक्रम का शीर्षक: सिद्ध मरुथुवा अरिग्नर (बैचलर ऑफ सिद्ध मेडिसिन एंड सर्जरी)(बी.एस.एम.एस.)

3. प्रवेश की पात्रता:

(क) सिद्ध मरुथुवा अरिग्नर पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक सभी श्रेणियों के अभ्यर्थियों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषयों में न्यूनतम 50% पूर्ण योग के अंकों से 12वीं दर्जा उत्तीर्ण होना होगा।

(ख) पात्रता तय करने के लिए ऊपर विहित न्यूनतम अंकों में छूट संबंधित विश्वविद्यालय की नियमावली और विनियमावली या राज्य सरकार की समय-समय पर जारी हुई अधिसूचना के अनुसार दी जाएगी।

(ग) वह 10वीं कक्षा में या उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम में एक विषय तमिल में उत्तीर्ण होना चाहिए।

(घ) जो अभ्यर्थी ऊपर के खंड (ग) में नहीं आते उन्हें प्रथम व्यावसायिक पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में तमिल का अध्ययन करना पड़ेगा।

4. आयु सीमा: अभ्यर्थी की आयु प्रवेश के समय 17 वर्षों तक पूरी होनी चाहिए

या

उसकी आयु प्रवेश के वर्ष में 31वीं दिसंबर को या इससे पूर्व ऊपर की तरह पूरी होनी चाहिए।

5. पाठ्यक्रम की अवधि: इस पाठ्यक्रम की अवधि 5½ वर्ष होगी जिसमें एक वर्ष अनिवार्य रोटटरी रेजिडेन्ट इंटर्नशिप (सी आर आर आई) निम्नवत् रूप में शामिल होगा:-

पहला व्यावसायिक पाठ्यक्रम	-	18 महीने
द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम	-	18 महीने
अंतिम व्यावसायिक पाठ्यक्रम	-	18 महीने
कंपलसरी रोटेटरी रेजीडेंट इंटर्नशिप	-	12 महीने

प्रदत्त डिग्री:

अभ्यर्थी को विहित अवधि का निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा करने व अंतिम परीक्षा उत्तीण करने के बाद तथा सी आर आर आई की संतोषप्रद परिपूर्णता के बाद और सिद्ध मरुथुवा अरिग्नर (बैचलर ऑफ सिद्ध मेडिसीन एंड सर्जरी बी.एस.एम.एस.) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

6. अनुदेश का माध्यम: तमिल या अंग्रेजी पाठ्यक्रम में अनुदेश का माध्यम रहेगी।

7. पाठ्यक्रम का प्रारंभ:
पाठ्यक्रम भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् में शैक्षणिक वर्ष की प्रथम जुलाई या इसके द्वारा नियत तिथि को वर्षानुवर्ष प्रारंभ होगा।

8. अंतिम तिथियां:
जो अभ्यर्थी सिद्ध मरुथुवा अरिग्नर(बैचलर आफ सिद्ध मेडिसीन एंड सर्जरी) पाठ्यक्रम में प्रथम जुलाई से 30वीं सितंबर तक प्रविष्ट होंगे उन्हें अगले वर्ष के दिसंबर में ही उनकी प्रथम व्यावसायिक परीक्षा में बैठने के लिए पंजीकृत किया जाएगा।

9. परीक्षा की तिथियां:

संबंधित विश्वविद्यालय परीक्षा की तिथियां तय करेगा और सुनिश्चित करेगा कि कार्य दिवसों की न्यूनतम संख्या पूरी हो जाए।

10. कार्य दिवस:

प्रत्येक व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए कार्य दिवस 18 माह में 360 दिनों से कम नहीं होगा।

11. परीक्षा में बैठने की अपेक्षित उपस्थितिः परीक्षा में बैठने के लिए अपेक्षित उपस्थिति, उपस्थिति की कमी की माफी और अध्ययन छूटने के बाद पुनः प्रवेश संबधित विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार होगा।

12. प्रवास स्थानांतरण:

उपस्थिति के सम्मिलन की सुविधा स्थानांतरित व्यक्ति को दी जाएगी ताकि वह संबंधित विश्वविद्यालय के विनियमों के संतोषप्रद ढंग से पूरे करने पर संबंधित विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठ सके।

13. अवकाश:

संबंधित विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

14. प्रयोगशाला कार्य विवरण नोट बुकें प्रस्तुत करना:

प्रायोगिक या नैदानिक परीक्षा के समय प्रत्येक अभ्यर्थी परीक्षक को अपनी प्रयोगशाला कार्य विवरण नोट बुकें प्रस्तुत करेगा। विभागाध्यक्ष नोट बुकों को अभ्यर्थी द्वारा कृत विश्वविसनीय कार्य के रूप में विधिवत ढंग से प्रमाणित करेंगे।

प्रायोगिक कार्य विवरण संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा मूल्यांकित (आंतरिक मूल्यांकन) किया जाएगा तथा प्रायोगिक कार्य विवरण विश्वविद्यालय को लिखित परीक्षा के प्रारंभ से 15 दिन पूर्व प्रस्तुत किया जाएगा।

किन्हीं अन्य सामानों जैसे हस्तलिखित, साइक्लोस्टाइल्ड या मुद्रित संदर्शिका की अनुमति प्रायोगिक परीक्षा में अवलोकनार्थ नहीं दी जाएगी।

असफल अभ्यर्थियों के मामले में, पूर्ववर्ती परीक्षा में कार्य विवरण के लिए प्रदत्त अंक अगली परीक्षा में अग्रेनीत किए जाएंगे या अभ्यर्थी को विकल्प रहेगा कि वह नए कार्य विवरण प्रस्तुत करके अपना निष्पादन सुधार ले।

15. आंतरिक मूल्यांकन:

तीन न्यूनतम लिखित परीक्षाएं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में आयोजित की जाएगी तथा आंतरिक मूल्यांकन अंकों को प्रदान करने में दो सर्वोत्तम निष्पादनों के औसत अंकों पर विचार किया जाएगा।

दो न्यूनतम प्रायोगिक परीक्षाएं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में आयोजित की जाएगी तथा आंतरिक मूल्यांकन अंकों को प्रदान करने में सर्वोत्तम निष्पादन पर विचार किया जाएगा।

किसी विषय में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को अलग-अलग आयोजित की जाने वाली न्यूनतम दो लिखित और प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित करके उसके आंतरिक मूल्यांकन अंकों में सुधार का अवसर दिया जाएगा।

आंतरिक निर्धारण अंक (लिखित और प्रायोगिक दोनों परीक्षाओं में एक साथ मिलाकर) विश्वविद्यालय को लिखित परीक्षाएं प्रारंभ होने से 15 दिन पूर्व संस्थान प्रमुख द्वारा पृष्ठांकित करके प्रस्तुत किया जाएगा।

16. उत्तीर्ण होने के लिए अर्हक अंक:
(विषयवार या सामूहिक रूपेण)

(क) प्रत्येक विषय में न्यूनतम उत्तीर्णांक 50% हैं(विवरण परीक्षा की तालिका में विद्यमान हैं)

(ख) जो सफल अभ्यर्थी पहली बार परीक्षा में बैठने से पूर्ण योग में 60% या इससे अधिक अंक प्राप्त करेगा वह उस विशेष परीक्षा में प्रथम वर्ग में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, और इस ढंग से 75% या इससे अधिक अंक प्राप्त करने पर विषयों में विशेष योग्यता से परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

(ग) जो अभ्यर्थी सभी विषयों की परीक्षाओं में पहली बार बैठने पर 60% या इससे अधिक अंक सभी विषयों में प्राप्त करेगा उसे प्रथम वर्ग दिया जाएगा।

(घ) जो अभ्यर्थी सभी विषयों की परीक्षाओं में पहली बार बैठने पर 75% या इससे अधिक अंक प्राप्त किया हो, उसे विशेष योग्यता से प्रथम वर्ग प्रदान किया जाएगा।

(ङ) सभी अन्य अभ्यर्थी द्वितीय वर्ग में उत्तीर्ण घोषित किए जाएंगे।

17. अनुत्तीर्ण विषयों में परीक्षाएं देना:

जो अभ्यर्थी किसी विषय में अनुत्तीर्ण हो उसे उस विषय की अगली परीक्षा में बैठना होगा।

18. पाठ्यक्रम:

I. प्रथम व्यावसायिक परीक्षा

(1) पाठ्यक्रम की अवधि: पाठ्यक्रम की अवधि 18 महीनों (अठारह) की होगी।

(2) पाठ्यक्रम का प्रारंभ:
पाठ्यक्रम भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् में शैक्षणिक वर्ष की प्रथम जुलाई या इसके द्वारा नियत तिथि को वर्षानुवर्ष प्रारंभ होगा।

(3) अध्ययनार्थ विषय:

(i) सिद्ध मरुथुवा अदीपदाई धथुवंगलम वारालारुम (सिद्ध चिकित्सा का इतिहास और मौलिक सिद्धांत)
(ii) तमिल भाषा (जहां लागू हो)
(iii) उईर वेधियल (जीव-रसायनिक)

(iv) उदल कोरुगल (शरीर रचना विज्ञान) -पेपर I
(v) उदल थथुवम (सिद्ध शरीरक्रिया विज्ञान) -पेपर I
(vi) उदल कोरुगल (शरीर रचना विज्ञान) -पेपर II
(vii) उदल थथुवम (शरीर क्रिया विज्ञान) -पेपर II

(4) अभ्यर्थियों को प्रथम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. परीक्षा के किन्हीं दो विषयों को द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.पाठ्यक्रम में प्रोन्नति हेतु अग्रेनीत करने की अनुज्ञा दी जाएगी।

(5) परीक्षा की तिथि: परीक्षा की तिथियां इस विनियमानुसार विश्वविद्यालय द्वारा तय की जाएंगी।

(6) प्रथम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. के लिए परीक्षा और अंकों को तालिका-

विषय	लिखित					प्रायोगिक				
	अवधि	विश्व. अंक	आ मू:	मौ	कुल	अवधि	विश्व. अंक	आ मू:	अ.	कुल
1. सिद्ध मरुथुवा अदीपदाई थथुवंगलम वारालारुम	3 घंटे	100	20	30	150	-	-	-	-	-
2. तमिल भाषा	3 घंटे	100	20	30	150	-	-	-	-	-
3. उईर वेधियल	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
4. उदल कोरुगल I	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
5. उदल थथुवम I	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
6. उदल कोरुगल II	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
7. उदल थथुवम II	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100

(आ. मू.: आंतरिक मूल्यांकन, मौ: मौखिक, विश्व: विश्वविद्यालय, अ.:अभिलेख)

(7) अर्हक उत्तीर्णांक:

विश्वविद्यालय की लिखित परीक्षा में 50% अंक	:	50/100
विश्वविद्यालय की प्रायोगिक परीक्षा में 50% अंक	:	35/70
विश्वविद्यालय की लिखित, प्रायोगिक, मौखिक परीक्षाओं, आंतरिक निर्धारण एवं कार्य विवरण के पूर्ण योग में 50% अंक	:	125/250

II. द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

(1) पाठ्यक्रम की अवधि: द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. पाठ्यक्रम की अवधि 18 (अठारह) महीने होगी।

(2) पाठ्यक्रम का प्रारंभ:

पाठ्यक्रम का प्रारंभ संबंधित विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार होगा।

3262 GI/08-2

(3) अध्ययन के विषय:

(i) मरूथुवा थावरा इयाल (मेडिसिनल बॉटनी)

(ii) मरूनथियल अदिप दाईहलूम, मरून्थु सेई मुर ईहलुम (फार्मेसी आदि के मौलिक सिद्धांत)

(iii) गुणपादम पत्र (मुलीगई) (पादप जगत)

(iv) नोई नदल पत्र I (सिद्ध रोगविज्ञान)

(v) गुणपादम पत्र II (थथु एवं विलंगिनम) (धातु, खनिज और प्राणी जगत)

(vi) नोई नदल-पत्र II (आधुनिक रोग विज्ञान के सिद्धांत)

(vii) ननवुईरियाल (सूक्ष्म जीव विज्ञान)

(4) अभ्यर्थियों को अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. पाठ्यक्रम में प्रोन्नति के लिए द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. परीक्षा के किसी दो विषय को अग्रनयित करने की अनुमति होगी ।

(5) परीक्षा तिथि: परीक्षा तिथि इस विनियम के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा यथा निर्धारित की जाएगी ।

(6) परीक्षा की योजना और द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. के लिए अंकों का वितरण

विषय	लिखित					प्रायोगिक				
	अवधि	वि.वि अंक	आंतरिक मूल्यांकन	मौखिक	कुल	अवधि	वि.वि. अंक	आंतरिक मूल्यांकन	अभि-लेख	कुल
1.मरूथुवा धावरा इयाल	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
2.मरूनथियल अदिपदाईहलम, मरून्थु सेई मुरूईहलम	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
3.गुणपादम -I	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
4.नोई नदल -I	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
5.गुणपादम II	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
6.नोई नदल- II	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100
7. ननवुईरियाल	3 घंटे	100	20	30	150	3 घंटे	70	20	10	100

(7) उत्तीर्ण होने के लिए अर्हक अंक

विश्वविद्यालय की लिखित परीक्षा में अंकों का 50% : 50/100

विश्वविद्यालय की प्रायोगिक परीक्षा में अंको का 50% : 35/70

लिखित, प्रायोगिक, मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन एवं अभिलेख के पूर्ण योग का 50% : 125/250

III अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

(1) **पाठ्यक्रम की अवधि: अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. पाठ्यक्रम की अवधि 18 (अठारह) माह** की होगी ।

(2) पाठ्यक्रम का प्रारंभ: पाठ्यक्रम का प्रारंभ संबंधित विश्वविद्यालय के मानकों के अनुरूप होगा ।

(3) **अध्ययन के विषय:**

(i) नोई अनुगविधि ओझुक्कम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति और सांख्यिकी सहित स्वास्थ्य विज्ञान और सामुदायिक चिकित्सा)

(ii) सत्तम सारन्थ मरूथुवमम नन्जु नुलम (न्यायिक चिकित्सा और विषविज्ञान)

(iii) मरूथुवम पत्र I (पोथु मरूथुवम)

(iv) मरूथुवम पत्र II (सिरप्पु मरूथुवम) योग और बर्म सहित

(v) अरूवई मरूथुवम (शल्य चिकित्सा , अस्थि स्थापत्र और दंत चिकित्साभ्यास)

(vi) सूल, मगलीर मरूथुवम और कुजनथई मरूथुवम (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान तथा बाल चिकित्सा)

(4) परीक्षा तिथि: परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा यथा निर्धारित की जाएगी

(5) परीक्षा की योजना और अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस के लिए अंकों का वितरण

विषय	लिखित					प्रायोगिक			नैदानिक			
	अवधि	वि.वि. अंक	आंत. मूल्यां	मौखिक	कुल	वि.वि.अंक	प्रायो.	अभि.	दीर्घ मामले	लघु मामले	आंत. मूल्यां.	कुल
1. नोई अनुगविधि ओझुक्कम	3 घंटे	100	20	30	150	-	-		-	-	-	
2.सत्तम सारन्थ मरूथुवमम नन्जु नुलम	3 घंटे	100	20	30	150	70	20	10	-	-	-	100
3.मरूथुवम - पोथु (सामान्य चिकित्सा)	3 घंटे	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100
4. सिरप्पु मरूथुवम -योग और बर्म (विशेष चिकित्सा)सहित	3 घंटे	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20.	100
5 अरूवई मरूथुवम- इनबुमुरीवु और पाल मरूथुवम (अस्थि स्थापत्र और दंत रोगों सहित शल्य चिकित्सा) सहित	3 घंटे	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100
6. सूल, मगलीर मरूथुवम और कुजनथई मरूथुवम (प्रसूति और स्त्री रोग, बाल रोग चिकित्सा)	3 घंटे	70 30 100.	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100

(6) उत्तीर्ण होने के लिए अर्हक अंक

लिखित परीक्षा में अंकों का 50%	:50/100
नैदानिक परीक्षा में अंको का 50%	: 50/100
लिखित, नैदानिक , मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन के पूर्ण योग का 50% अंक	: 125/250

अभ्यर्थी जो अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. के सभी विषयों में उत्तीर्ण हैं तथा प्रथम और द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस. के विषयों को अग्रनयित किए हैं, केवल वे ही कंप्लसरी रोटेटरी रेजिडेंट इंटर्नशिप हेतु पात्र होंगे ।

19. सी.आर.आर.आई. (कंप्लसरी रोटेटरी रेजिडेंट इंटर्नशिप)

सी.आर.आर.आई. आवर्तन द्वारा अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् 12 माह की अवधि के लिए राज्य (औषधालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों) में जहां कहीं भी उपलब्ध हैं, शिक्षण अस्पताल/सिद्ध अस्पतालों में पूरे किए जाएंगे । विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर प्रशिक्षण भी सी.आर.आर.आई. में समाहित किए जाएंगे ।

संलग्नक I:

अध्ययन के बी.एस.एम.एस. पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न विभागों में नैदानिक प्रशिक्षण निम्नानुसार होगा :-

द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

नैदानिक वर्ष

मरूनथु सेई निलययम	2 माह	
मरून्नथु वाझंगम इदम	2 माह	
नोई नदल (नैदानिक रोग विज्ञान प्रयोगशाला)	2 माह	आवर्तन द्वारा
पोथु मरूथुवम	3 माह	
सिरप्पु मरूथुवम	3 माह	
अरूवई मरूथुवम	3 माह	
सूल,मगलीर मरूथुवम और कुजनथई मरूथुवम	3 माह	

तृतीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

नैदानिक वर्ष

मरूथुवम (सामान्य चिकित्सा)	4 माह
सिरप्पु मरूथुवम	4 माह
अरूवई मरूथुवम	4 माह
सूल,मगलीर और कुजनथई मरूथुवम	4 माह
सत्तम सारंथ मरूथुवम	2 माह

प्रथम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

1.	सिद्ध मरूथुवा अदिप्पदाई **थथुवंगलम वरलरम**	=240 घंटे
2.	तमिल भाषा	= 216 घंटे
3.	उइर वेधियल	= 324 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)
4.	उदल कुरूगल-I	= 350 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)
5.	उदल थथुवम-I	= 180 घंटे
6.	उदल कुरूगल-II	= 425 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)
7.	उदल थथुवम-II	= 425 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)

द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

1. मरूथुवा थावरा इयाल	= 300 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)
2. मरूनथियल अदिपदाईहलूम, मरून्थु सेई मुराईहलम	= 100 घंटे
3. गुणपादम पत्र (मुलीगई)	= 300 घंटे (लिखित और प्रायोगिक)
4. नोई नदल पत्र I	= 160 घंटे
5. गुणपादम पत्र II -थथु- विलंगिनम	= 300 घंटे (लिखित और **प्रायोगिक)**
6. नोई नदल- II (आधुनिक रोग विज्ञान के सिद्धांत)	= 160 घंटे
7. ननुईरियाल (सूक्ष्म जीव विज्ञान)	= 120 घंटे
नैदानिक, फार्मेसी और औषधालय प्रशिक्षण	= 720 घंटे

अंतिम व्यावसायिक बी.एस.एम.एस.

1.	नोई अनुगविधि ओझुक्कम	= 140 घंटे
2.	सत्तम सारन्थ मरूथुवमम नन्जु नुलम	= 230 घंटे
3.	मरूथुवम (सामान्य चिकित्सा) (पोथु मरूथुवम)	= 230 घंटे
4.	सिरप्पु मरूथुवम - योग और बर्मम (विशेष चिकित्सा) सहित	= 230 घंटे
5.	अरूवई मरूथुवम - इम्बमुरीवु तथा पाल मरूथुवम	= 230 घंटे
6.	सूल मगलीर कुजनथई मरूथुवम	= 230 घंटे
	नैदानिक प्रशिक्षण-	= 870 घंटे

शिक्षण कार्मिक के लिए अर्हताएं और अनुभव

(i) अनिवार्य

भा.चि.के.प. अधिनियम, 1970 की द्वितीय अनुसूची में शामिल संबंधित विषय/ **विशिष्टता** में स्नातकोत्तर अर्हता

(ii) अनुभव:

(क) प्राचार्य के पद हेतु

प्रोफेसर के पद के लिए विहित अर्हता और अनुभव ही प्राचार्य के पद हेतु आवश्यक समझा जाएगा।

3262 GI/08-3

(ख) प्रोफेसर के पद हेतु :

विभाग में 10 वर्षों का कुल शिक्षण अनुभव आवश्यक है इसमें से रीडर के रूप में 5 वर्षों का शिक्षण अनुभव अथवा जहां रीडर का पद नहीं है, वहां लैक्चरर के रूप में 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए ।

(ग) रीडर के पद हेतु :

(i) 5 वर्षों का कुल शिक्षण अनुभव इसमें से संबद्ध विषय में लैक्चरर के रूप में 3 वर्षों का शिक्षण अनुभव होना चाहिए ।

(घ) लैक्चरर के पद हेतु: कोई शिक्षण अनुभव अपेक्षित नहीं है ।

(iii) वाछंनीय

विषय पर मूल रूप से प्रकाशित शोध पत्र/पुस्तकें/प्रशासनिक अनुभव

टिप्पण:

(i) यदि संबद्ध विषय के लिए स्नातकोत्तर अर्हता धारी उपलब्ध नहीं हैं तो, आईएमसीसी अधिनियम, 1970 की II अनुसूची में शामिल सिद्ध मरूथुवा अरिग्नर के किसी अन्य विषय/संकाय में प्राप्त स्नातकोत्तर अर्हता धारी पात्र होंगे ।

(ii) सिद्ध पद्धति के केवल स्नातकपूर्व डिग्री वाले शिक्षण संकाय में किसी भी पद पर कार्यरत कोई भी व्यक्ति सिद्ध पद्धति में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले या किसी अन्य ग्रेड में पदोन्नत किए जाएंगे ।

प्रेमराज शर्मा, रजिस्ट्रार-सह-सचिव

[विज्ञापन III/IV/124/2006-असाधारण]

टिप्पण : मूल विनियम भारत के राजपत्र में का.आ.सं. 8-36/विनियम, दिनांक 31 मई, 1986 के द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अनुवर्ती संशोधन का.आ.सं. 18-1./03 (सिद्ध) दिनांक 11.10.2006 द्वारा किया गया ।

CENTRAL COUNCIL OF INDIAN MEDICINE

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th October, 2006

No. 18-1/2003(SIDDHA).—In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of sub-section (1) of Section 36 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Council of Indian Medicine, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Amendment Regulations, 2006.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986, for Schedule II, the following Schedule shall be substituted, namely:-

"Schedule II"

1.Aims and objects of Siddha Education : (See regulation 6)

Siddha education should aim at producing graduates of profound scholarship having deep basis of Siddha with scientific knowledge in accordance with fundamentals with extensive practical training who would be able and efficient teachers, research scholars, physicians and surgeons of Siddha System fully competent to serve in the medical and health services of the country.

2.Title of the course : Siddha Maruthuva Arignar (Bachelor of Siddha Medicine and Surgery) (B.S.M.S)

3. Eligibility for Admission:

(a) The candidates belonging to all categories for admission to the Siddha Maruthuva Arignar Course must have passed 12th standard with Science with at least 50% marks in aggregate in the subjects of Physics, Chemistry and Biology.

(b) The relaxation of the minimum marks prescribed above for deciding eligibility will be according to the rules and regulations of the respective University or State Government notification from time to time.

(c) He should have passed Tamil as one of the subjects in the 10th Standard or in Higher Secondary course.

(d) Candidate who are not covered under clause (c) above, have to study Tamil as a subject during the 1st Professional course.

4. Age Limit: Candidates should have completed the age of 17 years at the time of admission

or

would complete the age, as above, on or before 31st December of the year of admission.

5. Duration of the Course: The course shall be of 5½ years duration including one year compulsory Rotatory Resident Internship(CRRI) as mentioned here under :-

First Professional course	-	18 Months
Second Professional course	-	18 Months
Final Professional course	-	18 Months
Compulsory Rotatory Resident Internship	-	12 Months

Degree to be awarded:

The candidate shall be awarded Siddha Maruthuva Arignar (Bachelor of Siddha Medicine and Surgery-BSMS) degree after completion of prescribed course of study extending over the prescribed period and passing of the final examination after satisfactorily completion of CRRI.

6. Medium of Instruction: Tamil or English shall be the medium of instruction for the Course.

7. Commencement of the Course:

The Course shall commence on 1st July of an academic year or the date fixed by the Central Council of Indian Medicine from year to year.

8. Cut off Dates:

The candidates admitted for the course of Siddha Maruthuva Arignar (Bachelor of Siddha Medicine and Surgery) from 1st July to 30th September will be registered to take their I Professional Examination only in December of the next year.

9. Examination Dates:

The examination dates will be fixed by the concerned University ensuring that the minimum number of working days have been completed.

10. Working Days:

The working days for each Professional Course shall consist of not less than 360 days in 18 months.

11. The attendance required for Admission to Examination :The attendance required for admission to examination, condonation of lack of attendance and re-admission after break of study shall be as per the norms of the concerned University.

12. Migration Transfer :

The provision of combination of attendance shall be granted to the transferee for admission to the examination of concerned University on satisfactory fulfillment of the regulations of concerned University.

13. Vacation :

As per the norms of the concerned University.

14. Submission of Laboratory Record Note books:

At the time of practical or clinical examination, each candidate shall submit to the examiner his laboratory record books duly certified by the Head of the Department as a bonafide record work done by the candidate.

The practical record shall be evaluated by the concerned Head of the Department (Internal Evaluation) and the practical record marks shall be submitted to the University 15 days prior to the commencement of the theory examination.

No other materials, like handwritten cyclostyled or printed guide is allowed for reference during the practical examinations.

In respect of failed candidates, the marks awarded for records at previous examination will be carried over for the subsequent examinations, or the candidate shall have the option to improve his performance by submission of fresh records.

15. Internal Assessment:

A minimum of three written examinations shall be conducted in each subject during the professional course and the average marks of two best performances shall be taken into consideration for the award of internal assessment marks.

A minimum of two practical examinations shall be conducted in each subject during the professional course and the best performance shall be taken into consideration for the award of internal assessment marks.

A candidate who fail in any subject shall be provided an opportunity to improve his internal assessment marks by conducting a minimum of two examinations to be held separately in theory and practical and the average may be considered for improvement.

The internal assessment marks (both in written and practicals taken together) shall be submitted to the University endorsed by the Head of the Institutions, 15 days prior to the commencement of the theory examinations.

16. Marks qualifying for pass :

(Either subject wise or Collectively)

(a) The minimum pass marks in each subject is 50% (details are given in the examination scheme).

(b) A Successful candidate who secures 60% marks or above in the aggregate in his first appearance will be declared to have passed in the first class in that particular subject, and a successful candidate securing 75% marks or above, in the aggregate in any subject in the first appearance will be declared to have passed the examination in the subjects with distinction.

(c) First class will be awarded to such candidates who have passed all the subjects securing 60% marks and above in first at the appearance in all the subjects he/she had appeared.

(d) The candidates who have passed securing 75% marks and above at the first appearance he/she had appeared in all the subjects shall be awarded first class with distinction.

(e) All other successful candidates shall be declared to have passed in second class.

17. Appearance for the failed Subjects:

The candidates, who fail in any subject has to appear only in that subject in the next examination.

18. Course of Study :

I. First Professional Bachelor of Siddha Medicine and Surgery (B.S.M.S.)

(1) Duration of the course: The duration of the course shall be 18 (eighteen) months.

(2) Commencement of the Course:

The course shall commence on 1st July of an Academic year or the date fixed by the Central Council of Indian Medicine from year to year.

(3) Subjects of Study :

(i) Siddha Maruthuva Adippadai Thathuvangalum Varalarum [History and Fundamental Principles of Siddha Medicine.

(ii) Tamil Language (wherever applicable)
(iii) Uyir Vedhiyal (Bio-Chemistry)
(iv) UdalKoorugal (Anatomy) -Paper I
(v) Udal Thathuvam (Siddha Physiology) -Paper I
(vi) Udal Koorugal (Anatomy) - Paper II
(vii) Udal Thathuvam (Physiology) - Paper II

(4) The candidates shall be permitted to carryover any two subjects in First Professional B.S.M.S Examination for promotion to Second Professional B.S.M.S. course.

(5) **Examination date:** The examination dates shall be decided by the University as per this regulation.

(6) **Scheme of Examination and Distribution of Marks for First Professional B.S.M.S.-**

Subject		Theory				Practical				
	Duration	Univ. Mark	IA	O	T	Duration	Univ. Marks	IA	R	T
1. Siddha Maruthuva Adipadai Thathuvangalum Varalarum	3hrs	100	20	30	150	-	-	-	-	-
2.Tamil Language	3hrs	100	20	30	150	-	-	-	-	-
3.Uyir Vedhiyal	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
4.Udal Koorugal I	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
5.Udal Thathuvam I	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
6.UdalKoorugal II	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
7.Udal Thathuvam II	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100

(IA : Internal Assessment, O : Oral, R : Record, T : Total)

(7) **Marks qualifying for pass:**

50% marks in University written Examination : 50/100
50% marks in University Practical Examination : 35/70
50% marks in aggregate of written, Practical, Oral
Internal Assessment & Record : 125/250

II. Second Professional B.S.M.S.

(1) **Duration of the course:** The duration of the Second professional B.S.M.S. course shall be 18 (eighteen) months

(2) **Commencement of the Course:**

The commencement of the course shall be as per the norms of the concerned University.

(3) Subjects of Study :

(i) Maruthuva Thavara Iyal (Medicinal Botany)
(ii) Marunthiyal Adippadaihalum, Marunthu Sei Muraihalum (Basic Principles of Pharmacy etc.)
(iii) Gunapadam-Paper I (Mooligai) (Plant kingdom)
(iv) NoiNadal -Paper I (Siddha Pathology)
(v) Gunapadam -Paper II (Thathu & Vilanginam) (Metals, Minerals and Animal kingdom).
(vi) Noi Nadal -Paper II (Principles of Modern Pathology)
(vii) Nunvuyiriyal (Micro Biology)

(4) The candidates shall be permitted to carry over any two subjects in Second Professional B.S.M.S. Examination for promotion to final professional B.S.M.S. Course.

(5) **Examination Date:** The examination dates shall be as decided by the University as per this regulation.

(6) Scheme of Examination and Distribution of Marks for Second Professional B.S.M.S :

Subject	Theory					Practical				
	Duration	Univ. Mark	IA	O	T	Duration	Univ. Marks	IA	R	T
1.Maruthuva Thavara Iyal	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
2.Marunthiyal Adippadaihalum Marunthu Sei Maruihalum	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
3. Gunapadam-I	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
4.Noi Nadal-I	3hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
5.Gunapadam-II	3 hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
6.NoiNadal –II	3 hrs	100	20	30	150	3hrs	70	20	10	100
7.Nunnuyiriyal	3 hrs	100	20	30	150	3-hrs	70	20	10	100

(7) Marks qualifying for Pass

50 % of the Marks in the University Written Examination	:	50/100
50% of the Marks in the University Practical Examination	:	35/70
50% of the Aggregate Written, Practical, Oral and Internal Assessment & Record	:	125/250

III. Final Professional B.S.M.S.

(1) Duration of the course : The duration of the Final professional B.S.M.S. course shall be 18 (eighteen) months
(2) Commencement of the Course : The commencement of the course shall be as per the norms of the concerned University.
(3) **Subjects of Study :**
(i) Noi Anugavidhi Ozhukkam (Hygiene and Community Medicine including National Health Policies and Statistics).
(ii) Sattam Saarntha Maruthuvamum Nanju Noolum (Forensic Medicine and Toxicology)

Maruthuvam Paper I (Pothu Maruthuvam)
(iv) Maruthuvam Paper II (Sirappu Maruthuvam) including Yoga and Varma
(v) Aruvai Maruthuvam (Surgery ,Bone setting and Dental practices)
(vi) Sool, Magalir Maruthuvam and Kuzhanthai Maruthuvam(Obstetrics&Gynaecology and Paediatrics)

(4) Examination Date: The examination date shall be as decided by the University.

(5) Scheme of Examination and Distribution of Marks for Final Professional B.S.M.S:

Subject	Theory					Practical			Clinical			T
	Duration in	Univ. Mark	IA	O	T	Univ. Marks	Practical	R	Long Case	Short Case	IA	
1. Noi Anugavidhi Ozhukkam:	3hrs	100	20	30	150	-	-	-	-	-	-	
2. Sattam Sarntha Maruthuvamum Nanju Noolum	3hrs	100	20	30	150	70	20	10	-	-	-	100
3. Maruthuvam - Pothu (General Medicine)	3hrs	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100
4. Sirappu Maruthuvam including Yoga & Varma (Special Medicine)	3hrs	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100
5. Aruvai Maruthuvam including Enbumurivu and Pal Maruthuvam (Surgery including Bone Setting and Dental Diseases)	3 hrs	100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100
6. Sool, Magalir Maruthuvam and Kuzhanthai Maruthuvam (Obstetrics Gynecology and Paediatric Medicine)	3 hrs	70 30 100	20	30	150	-	-	10	50	20	20	100

(6) Marks qualifying for Pass:-

50% Marks in the Written Exam: 50/100
50% Marks in the Clinical Exam : 50/100
50% Marks in the aggregate of Written, Clinical, Oral and Internal Assessment 125/250

Candidates who have passed in all subjects of the Final Professional B.S.M.S and the carried over subjects of the first & the second Professional B.S.M.S., only shall be eligible for Compulsory Rotatory Resident Internship .

19. C.R.R.I. (Compulsory Rotatory Resident Internship):

The C.R.R.I. shall be completed in the teaching hospital/Siddha hospitals wherever available in the state (Dispensaries and Primary Health Centres) for the period of 12 months after passing the final examination by rotation. Training on various National Health Programmes will also be incorporated in the C.R.R.I.

Annexure I :

Clinical training in various Departments for B.S.M.S. course of study will be as follows:

Second Professional B.S.M.S. :

Clinical Year

Marunnthu Sei Nilaiyam	2 Months	
Marunthu Vazhangum Idam	2 Months	
Noi Nadal (Clinical Pathology Lab.)	2 Months	
Pothu Maruthuvam	3 Months	By rotation
Sirappu Maruthuvam	3 Months	
Aruvai Maruthuvam	3 Months	
Sool, Magalir Maruthuvam and Kuzhanthai Maruthuvam	3 Months	

Third Professional B.S.M.S. :

Clinical Year

Maruthuvam (General Medicine)	4 Months
Sirappu Maruthuvam	4 Months
Aruvai Maruthuvam	4 Months
Sool, Magalir and Kuzhanthai Maruthuvam	4 Months
Sattam Sarntha Maruthuvam	2 months

First Professional B.S.M.S.

1. Siddha Maruthua Adippadai Thathuvangalum Varalarum = 240 hrs.
2. Tamil Language = 216 hrs.
3. UyirVedhiyal = 324 hrs.(Theory and Practical)
4. Udal Koorugal-1 = 350 hrs.(Theory and Practical)
5. Udal Thathuvam –I = 180 hrs.
6. Udal Koorugal – II = 425 hrs. (Theory and Practical)
7. Udal Thathuvam – II = 425 hrs. (Theory and Practical)

Second Professional B.S.M.S.

1. Maruthuva Thavara lyal =300 hrs. (Theory and Practical)
2. Marunthiyal Adippadaihalum Marunthu Sei Muraihalum =100 hrs.
3. Gunapadam -Paper I (Mooligai) =300 hrs. (Theory and Practical)
4. Noi Nadal - Paper I =160 hrs
5. Gunapadam Paper-II - Thathu - Vilanginam =300 hrs. (Theory and Practical)
6. Noi Nadal-II (Principles of Modern Pathology) =160 hrs
7. Nunnuyiriyal .(Microbiology) =120 hrs.

Clinical, Pharmacy and Dispensary Trainings =720 hrs.

Final Professional B.S.M.S

1. Noi Anugavidhi Ozhukkam =140 hrs.
2. Sattam Saarntha Maruthuvamum Nanju Noolum =230 hrs.

3. Maruthuvam (General Medicine) (Pothu Maruthuvam) =230 hrs.
4. Sirappu Maruthuvam including Yoga and Varmam (Special Medicine) =230 hrs.
5. Aruvai Maruthuvam including Enbmurivu and Pal Maruthuvam =230 hrs.
6. Sool Magalir Kuzhanthai Maruthuvam =230 hrs.

Clinical Trainings =870 hrs.

Qualifications and Experience for Teaching Staff :

(i) Essential

A Post-Graduate qualification in the subject/specialty concerned included in the Schedule of the IMCC Act, 1970.

(ii) **Experience :**

(a) **For the Post of Principal:**

The qualification and experience prescribed for the post of Professor, shall be considered essential for the post of Principal.

(b)For the Post of Professor :
Total teaching experience of ten years in the Department is necessary out of which five years teaching experience as Reader or ten years experience as a Lecturer wherever the posts of Reader do not exist.

(c) **For the Post of Reader :**

(i) Total teaching experience of 5 years out of which 3 years teaching experience as Lecturer in the subject concerned.

(d) **For the Post of Lecturer**: No teaching experience is required.

(iii) Desirable :

Original published papers/books on the subject/administrative experiences.

NOTE:

(i) If the Post-graduate qualification holders for the concerned subjects are not available, the Post-graduate qualification obtained in any other subject/discipline of Siddha Maruthuva Arignar, included in the II Schedule of the IMCC Act, 1970, shall be eligible.

(ii) Any person working in any capacity in the teaching faculty having only a U.G. degree in Siddha system shall be promoted to the next or any other grade only after obtaining post-graduate degree in Siddha System.

P. R. SHARMA, Registrar-cum-Secy.

[ADVT. III/IV/124/2006-Exty.]

Note : The Principal regulations were published in the Gazette of India vide notification number 8-36/Regl., dated the 31st May, 1986 and subsequently amended vide notification number 18-1/03(Siddha) dated 11.10.06.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.